R-8
10

Roll No. .....

91318

B.A. 1st Year (DDE)
Examination – December, 2020

HINDI (Compulsory)

Paper : 1002

Time : 1 : 45 hours] *[Maximum Marks : 100*

प्रश्नों के उत्तर देने से पहले परीक्षार्थी यह सुनिश्चित कर लें कि उनको पूर्ण एवं सही प्रश्न-पत्र मिला है। परीक्षा के उपरान्त इस संबंध में कोई भी शिकायत नहीं सुनी जायेगी।

नोट : किन्हीं ***तीन*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. अधोलिखित किन्हीं ***दो*** पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) दुर्बल को न सताइये, जा की मोटी हाय।
बिना जीव की स्वॉस से, लौह भसम हवै जाय।।

(ख) सो जननी, सो पिता, सोइ भाइ, सो भामिनी, सो सुत, सो हितु मेरो।
सोइ सगो, सो संखा, सोइ सेवकु, सो गुरु, सो सुरु साहेबु चेरो।।
सो 'तुलसी' प्रिय प्रान समान, कहाँ लौं बनाइ कहौं बहुतेरो।
जो तजि देह को, गेहको नेहु, सनेहसों रामको होइ सबेरो।।

(ग) म्हारे घर आवौ सुन्दर स्याम।
तुम आया बिन सुध नहीं मेरो, पीरी परी जैसे पाण।।
म्हॉरे आसा और ण स्वामी, एक तिहारो ध्याण।
मीरा के प्रभु वेग मिलो अब रोषो जी मेरी माण।।

Downloaded from cclchapter.in

(घ) घरु घरु डोलत दीन है, जनु जनु जाचतु जाई।
दियैं लाभ-चसमा चखनु, लघु पुनि बड़ौ लखाइ।।

2. मीराँबाई *अथवा* तुलसीदास का साहित्यिक परिचय दीजिए।

3. कबीर की सामाजिक चेतना पर प्रकाश डालिए।

अथवा

मीराँबाई की प्रेम-साधना की समीक्षा कीजिए।

4. निम्नलिखित गद्यांशों में से किन्हीं ***दो*** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) हे दयावान भगवान। मुझसे बड़ी चूक हुई है। मुझे क्षमा करो। आज मेरे बेटे का तिलक था। सैकड़ों मनुष्यों ने भोजन पाया। मैं उनके इशारों की दासी बनी रही। अपने नाम के सैकड़ों रुपये व्यय कर दिए, परंतु जिसकी बदौलत हजारों रुपये खाए, उसे उस उत्सव में भी भरपेट भोजन न दे सकी। केवल इसी कारण तो वह वृद्धा असहाय है।

(ख) और आज जब वह सोचता है तो लगता है कि वह खुद और उसका वह बाप दोनों दो इकाइयों की तरह अकेले खड़े हैं - जिन्दगी का वह तूफान एकाएक उतर गया और खौफनाक सन्नाटा छा गया है - वक्त के साथ दोनों अकेले होते चले गये। उनकी दूरियाँ और भी बढ़ती गयी हैं - ऐसा क्यों होता है कि हर आदमी अन्त में अकेला ही रह जाता है।

(ग) अब यह विचारना आप के जिम्में है कि इस देश की प्रजा के साथ आपका क्या कर्त्तव्य है। हजार साल से यह प्रजा गिरी दशा में है। क्या आप चाहते हैं कि यह और भी सौ पचास साल गिरती चली जावे ? इसके गिरने में बड़े से बड़ा इतना ही लाभ है कि कुछ संकीर्ण हृदय शासकों की यथेच्छाचारिता कुछ दिन और चल सकती है। किन्तु इसके उठाने और सम्भालने में जो लाभ है उनकी तुलना नहीं हो सकती। इतिहास में सदा नाम रहेगा कि अंग्रेजों ने एक गिरी जाति के तीस करोड़ आदमियों को उठाया था।

Downloaded from cclchapter.in

(घ) निन्दा की ऐसी ही महिमा है। दो-चार निंदकों को एक जगह बैठकर निंदा में निमग्न देखिए और तुलना कीजिए दो-चार ईश्वर भक्तों से, जो रामधुन लगा रहे हैं। निंदको की सी एकाग्रता परस्पर आत्मीयता, निमग्नता भक्तों में दुर्लभ है। इसलिए संतों ने निंदकों को 'आँगन कुटी छवाव' पास रखने की सलाह दी है।

5. बालमुकुन्द गुप्त ***अथवा*** कमलेश्वर का साहित्यिक परिचय लिखिए।

6. 'आकाशदीप' कहानी की मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए।

अथवा

निंदा-रस' निबंध में व्यंग्यात्मकता का सुन्दर निर्वाह हुआ है - पुष्टि कीजिए।

7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं ***तीन*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(क) मोहन राकेश की भाषा-शैली स्पष्ट कीजिए।

(ख) मालती जोशी की कहानियाँ परिवेश का सही चित्र प्रस्तुत करती हैं - स्पष्ट कीजिए।

(ग) स्पष्ट कीजिए कि आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी के निबंधों ने हिन्दी को नई दिशा दी है।

(घ) सरदार पूर्ण सिंह के निबंधों में मानवीय संवेदना और लोक चेतना स्पष्ट कीजिए।

8. निम्नलिखित बहुविकल्पी प्रश्नों के सही विकल्प चुनिए :

(i) शुद्ध रूप लिखिए :

(क) चिह्न (ख) चिंहन

(ग) चिन्ह (घ) चिनह

(ii) शुद्ध रूप लिखिए :

(क) शृमति (ख) श्रीमति

(ग) शृमती (घ) श्रीमती

Downloaded from cclchapter.in

(iii) 'संसार' का पर्यायवाची शब्द है :

(क) हेम (ख) लोक

(ग) कुंतल (घ) सरोवर

(iv) 'पुरस्कार' का पर्यायवाची है :

(क) सत्कार (ख) सम्मान

(ग) पारितोषिक (घ) परिणाम

(v) 'सुषुप्ति' का विलोम है :

(क) अस्वस्थ (ख) जागृति

(ग) सोना (घ) निरोगी

(vi) 'क्षुद्र' का विलोम है :

(क) महान् (ख) हीन

(ग) ग्रह (घ) सूर्य

(vii) जिसकी आँखे मछली जैसी हों :

(क) सुंदरी (ख) चंचला

(ग) कामायनी (घ) मीनाक्षी

(viii) परदेश में जाकर बस जाने वाला :

(क) विदेशी (ख) प्रवासी

(ग) परदेशी (घ) स्वदेशी

(ix) 'पापड़ बेलना' मुहावरे का अर्थ है :

(क) समय बरबाद करना (ख) कठोर दुख आना

(ग) रोजगार करना (घ) कठोर मेहनत करना

(x) 'ओस चाटे प्यास नहीं बुझती' लोकोक्ति का अर्थ है :

(क) अधिक प्यास लगने पर पानी पीना चाहिए।

(ख) थोड़े से प्रयास से ही सारे काम बन जाते हैं।

(ग) बड़े काम थोड़े प्रयत्न से नहीं होते।

(घ) अधिक काम होने पर थोड़ा श्रम करना ही उचित है।

Downloaded from cclchapter.in